DEPARTMENT OF HISTORY

SKILL DEVELOPMENT TRAINING WORKSHOP

on

Tourism and Job Opportunities in Chhattisgarh

11-12 November, 2016

Organized by

Skill Development Cell & Department of History

GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA,

Bilaspur (Chhattisgarh), India.

पृष्ठभूमि

इस कार्यशाला का आयोजन वर्ष 2000 में नवगठित राज्य छत्तीसगढ में पर्यटन के क्षेत्र में मौजूद अपार संभावनाओं की तलाश करना है यह कौशल एवं उधमिता विकास मंत्रालय की एक अग्रणी योजना है इसका उद्देश्य अधिक संख्या में भारतीय युवाओं को उधोग सम्बन्धी कौशल, प्रशिक्षित करना है, जो उनके अच्छे जीवन यापन को सुरक्षित करने में सहायक हो प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण धान का कटोरा, अन्नपूर्णा, सोने की चिड़िया कहा जाने वाले वाला छत्तीसगढ़ संपूर्ण भारत वर्ष में समृद्धि का प्रतीक है आदि काल में मानवीय सभ्यता इसी वनांचल में पनपी और पली थी खनिज सम्पदा और वनश्री की दृष्टी से यह अंचल समृद्धशाली है प्राचीन काल में यह प्रदेश दक्षिण कोसल कहलाता था और उसमें न केवल वर्तमान रायपुर, दुर्ग, बस्तर, बिलासपुर, सरगुजा और रायगढ़ जिलों का क्षेत्र, बल्कि उड़ीसा के संबलपुर जिले का बहुत सा भाग शामिल था यह प्रदेश मैकाल, रामगढ़ और सिहावा की पहाड़ियों से घिरा हुआ तथा महानदी और उसकी सहायक शिवनाथ, मांड, खारून, जोंक और हंसदों नदियों के जल से सिंचित है इन नदियों के तट पर विभिन्न सभ्यताओं का उदय और विकास हुआ, जिनके अवशेष छत्तीसगढ़ के प्राचीन गौरव की झांकी प्रस्तुत करते हैं

विश्व की प्राचीनतम रंगशाला, रामगढ़ की गुफाएं, छत्तीसगढ के नियाग्रा के नाम से विख्यात चित्रकूट जलप्रपात, रायगढ़ जिले के सिंघनपुर गुफा, कबरा पहाड़ के शैलाश्रयों में आदिमानव द्वारा उकेरे गए चित्र, छत्तीसगढ़ का खजुराहो भोरमदेव के अलावा सदाबहार जंगलों और विलक्षण जैव विविधता, बस्तर और सरगुजा के विशाल आदिवासी अंचल, विशिष्ट आदिवासी संस्कृति, लोक नाट्यों की परंपरा, दुर्लभ वन्य जातियों का बाहुल्य आदि इस छत्तीसगढ़ प्रदेश को देशी – विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बनाने में सक्षम है

कार्यशाला के उद्देश्य

1. इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पर्यटन के क्षेत्र को विधार्थी के समक्ष रोजगार के एक नए विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है ।
2. पर्यटन के माध्यम से छात्र छात्राओं में नयी दृष्टि, नए विचार का सृजन करना ।
3. पुरातात्विक स्थानों का भ्रमण कर, विद्यार्थियों में पुरातत्व के प्रति जागरूकता लाना ।
4. छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थलों के महत्व से परिचित कराना ।
5. छत्तीसगढ़ की प्राचीन संस्कृति एवं गौरव गाथा को उजागार करना ।
6. पुस्तकीय ज्ञान के साथ साथ व्यावहारिक ज्ञान से परिचित करना ।

ORGANIZING COMMITTEE

CHIEF PATRON

Prof. Anjila Gupta , Honorable , Vice Chancellor
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur.

PATRON

Prof. B.N. Tiwari, Registrar
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur.

Prof Anupama Saxena
Dean, School of Social Science
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur.

Head, Department of History
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur.

COURSE CONVENER

Dr. Seema Pandey
Department of History,
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
Bilaspur. (C.G.)

COURSE CO-ORDINATOR

Dr. Ghanshyam Dubey
Department of History
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,
Bilaspur (C.G.)

Registration Fee: 100/- from each participant
Target Group: UG/PG Students, Research Scholars
Number of Participants: 100

Tentative Program schedules

11/11/2016 (Friday)	
09:00 -10:00	Registration of participants
10:30 AM-11:15 AM	Inauguration session
11:15 AM-12:40 PM	Technical session I (Prof. R. N. Mishra)
12:40 PM-12:45 PM	Break
12.45 PM-02:15 PM	Technical session II (Prof. Alok Shrotriya)
02.15 PM-03.00 PM	Lunch Break
03.00 PM-04.30 PM	Technical session III (Prof. R. N. Mishra)
04.30 PM-06.00 PM	Technical session IV (Prof. Alok Shrotriya)
12/11/2016 (Saturday)	
09. AM- to onwards	Proposed visit to Tourism Place, Tala Gaon & Madku Island (Bilaspur)
04.00 PM-05.00 PM	Valedictory function

REGISTRATION FORM

GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA, BILASPUR

Skill Development Cell

SKILL DEVELOPMENT TRAINING WORKSHOP

On

Tourism and Job Opportunities in Chhattisgarh

(11 – 12 November, 2016)

Photo

1. Name:-_____
   (In Capital Letters)
2. Department: _____
3. Course/Qualification:- _____
4. Research background:- _____
5. Address: - _____

_____

_____

6. Mobile No: - ____/____/____/____/____/____/____/____/____/____/____/

7. Email: - _____

8. Experience if any related to tourism industry:- _____

_____

_____

9. How the workshop will be helpful for your future plan:- _____

_____

_____

10. Are you planning for own business in tourism industry:- _____

_____

Signature of applicant Signature of HOD

Note: Attendances Rules of respective department will be applicable.

Received Rs:…….. from ……..as Registration fee for skill development Training Workshop on Tourism and job opportunity in Chhattisgarh.

Signature